PART-**1**

यूनानी भूगोलवेत्ता- थियोफ्रेस्टस

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

SNSRKS महाविद्यालय सहरसा

यूनानी भूगोलवेत्ता (Greek Geographers)

पृथ्वी के विभिन्न भागों के पर्यावरण और उनके निवासियों की जीवन पद्धति पर वर्णनात्मक लेखन का आरंभ यूनान में नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व में हो गया था । तत्कालीन महाकवि होमर (Homer) की दो काव्य रचनाओं में महत्वपूर्ण भौगोलिक वर्णन मिलते हैं। इसके पश्चात् के वर्षों में थेल्स (Thales), अनेग्जीमैण्डर (Anaximander), हेकैटियस् (Hecataeus), हेरोडोटस (Herodotus), अरस्तू (Aristotle), थियोफ्रेस्टस (Theophrastus), इरेटोस्थनीज (Eratosthenes), पोलीबियस (Polybius), हिप्पारचुस (Hipparchus), पोसिडोनियस (Posidoneus) आदि प्रमुख यूनानी विद्वानों ने भौगोलिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रांकित पंक्तियों में इन यूनानी विद्वानों के योगदानों की संक्षिप्त चर्चा की गयी है।

(8) थियोफ्रेस्टस (Theophrastus)

थियोफ्रेस्टस (जन्म 370 ई० पू०) अरस्तू के शिष्य थे । उन्होंने भूतल पर वनस्पतियों के भौगोलिक वितरण का तुलनात्मक वर्णन किया था। उन्होंने वनस्पति और जलवायु के अंतर्सबंधों का परीक्षण किया और मेसीडोनिया के मैदान, उसके समीपवर्ती पर्वतीय भागों और क्रीट द्वीप की वनस्पतियों का तुलनात्मक वर्णन किया था। इस प्रकार थियोफ्रेस्टस का मुख्य कार्य वनस्पति (पादप) भूगोल से सम्बन्धित था।